

“उद्योग हित”



“राष्ट्र हित”

लघु उद्योग भारती

लघु उद्योग भारती

Laghu Udyog Bharati

लघु उद्योगों की सेवा में अखिल भारतीय संगठन

केन्द्रीय कार्यालय : 48, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, राऊज एवेन्यू
नई दिल्ली - 110 002
टेलीफोन : 011-23238582,
Email : headoffice@lubindia.com
lubheadoffice@gmail.com



HO Location

पंजीकृत कार्यालय : 184, शिवाजी नगर, नागपुर - 440 010
Email : centraloffice@lubindia.com



Android App



IOS App



Twitter / X



Facebook



Youtube App



Instagram



Linkedin

एम.एस.एम.ई के भविष्य निर्माण में कार्यरत

लघु उद्योग भारती

सन् 1994 मे स्थापित लघु उद्योग भारती सूक्ष्म व लघु उद्योगों के हितार्थ कार्यरत अखिल भारतीय स्तर का एक मात्र राष्ट्रव्यापी संगठन है। भारत के सभी राज्यों में लघु उद्योग भारती की इकाईयां कार्यरत है। सम्पूर्ण देश में 540 जिलों में 930 इकाईयां विभिन्न जिलों व औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत है। सूक्ष्म व लघु उद्योग क्षेत्र में व्याप्त विविध समस्याओं का स्थानीय औद्योगिक संगठनों के साथ तालमेल बिठाकर जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर निराकरण लघु उद्योग भारती द्वारा निरन्तर किया जा रहा है, राज्य सरकार व केन्द्र सरकार को उद्योग हित में समय-समय पर उचित सुझाव देकर नीति निर्धारण में सहयोग किया जाता है तथा उद्यमिता सृजन, स्वरोजगार, आयात घटाने व निर्यात बढ़ाने, श्रमिकों को रोजगार के साधनों की उपलब्धता बढ़ाने हेतु प्रयास किये जाते हैं। पर्यावरण संरक्षण व सेवा कार्यों में भी लघु उद्योग भारती सदैव अग्रणी भूमिका निभा रही है। लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय, प्रदेश, अंचल / संभाग / प्रान्त तथा इकाई स्तर पर प्रति दो वर्ष में चुनाव के माध्यम / सर्वसम्मति से पदाधिकारी चयनित किये जाते हैं। अखिल भारतीय स्तर पर वर्ष में तीन बार कार्यसमिति तथा दो बार कार्यकारिणी की बैठक विभिन्न स्थानों पर की जाती है। प्रतिवर्ष साधारण सभा का आयोजन भी किया जाता है। दिनांक 23-25 अप्रैल 2023 को अखिल भारतीय कार्यसमिति व कार्यकारिणी की बैठक जम्मू तथा 23-25 अगस्त 2023 को अखिल भारतीय कार्यसमिति, कार्यकारिणी एवं द्विवार्षिक साधारण सभा राष्ट्रीय अधिवेशन की बैठक दिल्ली में, तत्पश्चात् 29-30 दिसंबर 2023 की कार्यसमिति की बैठक काशी (उत्तर प्रदेश) में सम्पन्न हुई।



अभ्यास वर्ग : कार्यकर्ताओं को संगठन की रिति नीति एवं संगठनात्मक जानकारी देने हेतु समय-समय पर निश्चित अंतराल के बाद राष्ट्रीय स्तर, क्षेत्रीय स्तर एवं जिला स्तर पर अभ्यास वर्गों का आयोजन किया जाता है।

लघु उद्योग भारती की सदस्य संख्या, इकाई संख्या का सम्पूर्ण भारतवर्ष में कोरोना के बाद बड़ी तेजी से विस्तार हुआ है तथा अभी वर्तमान में काशी बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों ने संघ के शताब्दी वर्ष 2025 को ध्यान में रखते हुए लघु उद्योग भारती के विस्तार व प्रभाव को बढ़ाने के उद्देश्य से बड़े उत्साहपूर्ण वातावरण में नये लक्ष्य तय किये हैं। लघु उद्योग भारती का तुलनात्मक वृत्त निम्नानुसार है -



लघु उद्योग भारती

अखिल भारतीय कार्यसमिति / कार्यकारिणी बैठक	नोएडा अक्टूबर 2021	जोधपुर दिसम्बर 2021	गुवाहाटी अप्रैल 2022	कर्णावती जुलाई 2022	हरिद्वार सितम्बर 2022	कोयम्बटूर जनवरी 2023	जम्मू अप्रैल 2023	दिल्ली अगस्त 2023	काशी दिसम्बर 2023	फरवरी 2024
कार्ययुक्त जिले (कुल जिले 733)	426	428	457	486	486	492	501	522	528	540
इकाईयां	502	510	673	713	734	741	778	789	890	930
सदस्य	27436	29378	32013	35423	37117	38384	41256	43974	45935	48510
महिला इकाई	18	19	25	27	30	30	33	34	37	40
महिला सदस्य	1173	1242	1295	1362	2078	2369	2399	2620	2936	3141

काशी बैठक में वर्ष 2024 का लक्ष्य 600 जिले : 9500 इकाईयां व 12500 सदस्य निर्धारित किया गया।

लघु उद्योग भारती की अखिल भारतीय कार्यसमिति २०२३-२५ के प्रमुख पदाधिकारियों के नाम, पता तथा फोन नं. निम्नानुसार है

क्र.सं.	नाम एवं पता	दायित्व	फोन / ईमेल
1	श्री घनश्याम ओझा मैसर्स: एस.आर.एम. एलॉयज प्रा. लि. ई-75, एम.आई.ए., फेस-2, बासनी, जोधपुर-342005 (राजस्थान)	अध्यक्ष	(M) 0-98290-22896 0-9928125000 Email :- gs.ojha@rediffmail.com president@lubindia.com
2	श्री ओमप्रकाश गुप्ता मैसर्स: मॉडर्न फ्लोर मिल्स लिमिटेड बी-15, लॉरेस रोड नई दिल्ली-110035	महामंत्री	(M) 0-95602-55055 Email :- gs@lubindia.com om.modern@gmail.com
3	श्री समीर मुंदड़ा मैसर्स : देवास हाईड्रोक्वुप प्रा. लि. 65, इन्डस्ट्रीयल एरीया-3, ए.बी.रोड, देवास-455001 (मध्यप्रदेश)	कोषाध्यक्ष	(M) 0-94250-48018 Email :- sameer_mundra@yahoo.co.in
4	श्री प्रकाशचंद्र भारती भवन, बी-15, न्यू कॉलोनी, सिंहद्वार के पास, जयपुर (राजस्थान)	संगठनमंत्री	(M) 0-70145-59986 Email :- rssprakashjpr1958@gmail.com

विश्वकर्मा भवन नई दिल्ली

लघु उद्योग भारती का राष्ट्रीय कार्यालय विश्वकर्मा भवन 48, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, राऊज एवेन्यू नई दिल्ली में स्थित है। इस भवन में भूतल तथा चार मंजिल निर्मित है जिसमें एक बड़ा हॉल (125 व्यक्ति क्षमता), क्राफ़ेस हॉल (50 व्यक्ति क्षमता), 25 व्यक्तियों की ट्रेनिंग कक्ष, ई-लाईब्रेरी व डिजिटल स्टूडियो, बैठक कक्ष, तीन आवासीय कक्ष आदि निर्मित है, दिल्ली में अपना विश्वकर्मा भवन बनाने के बाद में हमारे कार्यों में गुणात्मक व संख्यात्मक वृद्धि हुई है भवन के अलग-अलग कक्षों में नियमित रूप से लघु उद्योग भारती एवं विचार परिवार के अन्य संगठनों की नियमित बैठकें हो रही हैं। इसी प्रकार विभिन्न उत्पाद-समूहों को लेकर विषय-विशेषज्ञ व संबंधित सरकारी अधिकारियों के साथ में सेमिनार व कार्यशालाएँ आयोजित हो रही हैं। भवन पूर्णतया आधुनिक व तकनीकी सुविधाओं से परिपूर्ण व दिल्ली के हृदयस्थली में होने से भविष्य में भवन में लघु उद्योग भारती के संगठन विस्तार व लघु उद्यमियों के विकास व विस्तार के लिये मील का पत्थर साबित होगा।



उद्योग टाईम्स :-

लघु उद्योग भारती की मासिक प्रकाशन "उद्योग टाईम्स" नियमित रूप से प्रकाशित किया जा रहा है। कोरोना के बाद उद्योग टाईम्स का प्रकाशन डिजिटली किया जा रहा है। उद्योग टाईम्स सभी सदस्यों के साथ-साथ केन्द्र सरकार के सभी मंत्री, सभी सचिव व सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, वित्तमंत्री, उद्योगमंत्री व संबंधित सचिवों को भेजा रहा है। उद्योग टाईम्स अन्य औद्योगिक संगठनों एवं हमारे अन्य अनुसांगिक संगठनों को भी भिजवाया जाता है। स्थानीय ईकाइयों के द्वारा उद्योग टाईम्स को स्थानीय सरकारी विभागों को भी भिजवाया जा रहा है। उद्योग टाईम्स में संगठन द्वारा किये जा रहे कार्यों के साथ-साथ औद्योगिक नीतियां एवं उद्योगों से संबंधित सरकारी नोटिफिकेशन व अन्य उपयोगी जानकारी का प्रकाशन किया जाता है।

साप्ताहिक समाचार पत्र : तीन माह पहले लघु उद्योग भारती का साप्ताहिक समाचार पत्र शुरू हुआ। जिसमें सूक्ष्म व लघु उद्योगों, आर्थिक जगत, तकनीकी क्षेत्र से सम्बन्धित समाचारों व सूचनाओं आदि का संकलन साप्ताहिक रूप से प्रकाशित कर वेबसाईट और ईमेल द्वारा सभी सदस्यों की जानकारी के लिए प्रेषित किया जाता है।

मूल भावना एवं योजनाएँ

- ❖ उद्यमशीलता प्रोत्साहित करना ।
- ❖ छोटे और लघु उद्योग के सम्पूर्ण एवं सतत विकास के साथ देश का सतत विकास करना ।
- ❖ परिवार के रूप में उद्योग का संचालन करना जिसमें मालिक, कार्यकर्ता, ग्राहक और आपूर्तिकर्ता परिवार के सदस्यों के रूप में हो ।
- ❖ लाभकारी रोजगार को बढ़ावा देना ताकि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का स्तर बेहतर हो सके ।
- ❖ प्रतिस्पर्धा की गुणवत्ता के साथ उत्पादकता में निरन्तर वृद्धि को बनाये रखना व उत्पादन लागत को कम करना ।
- ❖ उच्चतम गुणवत्ता के साथ विश्व की श्रेष्ठतम वस्तुओं का निर्माण ।
- ❖ छोटे और लघु उद्योग में स्वदेशी प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना ।
- ❖ छोटे और लघु उद्योग में अनुसंधान और विकास की गतिविधियों को प्रोत्साहित करना ।
- ❖ उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के लिए छोटे और लघु उद्योग को स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना ।
- ❖ पर्यावरण के अनुकूल तरीके से छोटे एवं लघु उद्योग संचालित करना ।
- ❖ उपक्रमों क्लस्टर गठन के माध्यम से आर्थिक असंतुलन का मुकाबला करने के लिए विनिर्माण गतिविधि को त्वरित करना ।
- ❖ अन्तराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा हासिल करना व आयात के विकल्प देश में बने, निर्यात को प्रोत्साहन देना ।
- ❖ कुशलता के माध्यम से मानव संसाधनों की क्षमता निर्माण में वृद्धि करना ।
- ❖ पराम्परागत ग्रामीण उद्योगों को प्रोत्साहित करना ।

लघु उद्योग भारती की इकाईयों को सक्रिय रखने के लिये इकाई स्तर पर 6 अनिवार्य कार्य तय किये गये हैं इन कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से सम्पन्न करने के लिये प्रत्येक कार्यक्रमों का जिम्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राष्ट्रीय सचिव को दिया गया है । इनके द्वारा इकाई स्तर तक प्रभावी मैकेनिज्म तैयार किया जा रहा है जिससे प्रत्येक करणीय कार्य समय पर व निरन्तर सम्पन्न हो ।

क्र.सं.	अनिवार्य कार्य	कार्य का प्रकार	संबंधित राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राष्ट्रीय सचिव
1	मासिक बैठक (इकाई अनुसार)	1 बैठक में उद्यमी, उत्पाद, क्षेत्र आदि की समस्या व समाधान पर चर्चा तथा प्रयास 2 सरकारी नीतियों पर चर्चा	श्री अरविन्द घूमल श्री श्याम सुन्दर सलूजा
2	स्थापना दिवस (25 अप्रैल)	1 संगठन विस्तार पर चर्चा तथा प्रयास । 2 सेवा कार्य 3 कार्यकर्ता सम्मान कार्यक्रम	श्री रविन्द्र सोनावने श्री विक्रम बिन्दल
3	विश्वकर्मा जयन्ति (17 सितम्बर)	1 श्रमिक कल्याण कार्यक्रम (बच्चों की निशुल्क शिक्षा, यूनियोर्म्, किताबों में सहयोग इत्यादि) 2 श्रमिक / उद्यमी समरसता कार्यक्रम 3 पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम - एक उद्यमी एक पेड़ 4 प्रदूषण घटाने की तकनीक पर सेमीनर	श्री ताराचन्द गोयल श्री प्रवीण अग्रवाल
4	होली / दिपावली / हिन्दू नववर्ष स्नेह मिलन कार्यक्रम	1 पारिवारिक स्नेह मिलन 2 कुटुम्ब प्रबोधन कार्यक्रम 3 वरिष्ठ जनों का सम्मान । 4 रंगमंचीय / सांस्कृतिक कार्यक्रम ।	श्री एम एस दादू श्री इन्द्र कुमार अग्रवाल
5	उद्यमी सम्मेलन (इकाई / जिलानुसार)	1 उद्यमी सम्मेलन (वर्ष में एक बार) 2 श्रमिक एवं उद्यमी सम्मान कार्यक्रम 3 क्षेत्रीय उद्यमी समस्याओं को जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार तक पहुंचाना तथा समाधान के प्रयास करना	श्री पी एस श्रीकान्त दत्ता श्री नरेश पारीक
6	उद्यमिता विकास एवं तकनीकी उन्नयन	1 उद्यमिता विकास के लिये युवाओं को उद्योग लगाने के लिये प्रेरित करने के कार्यक्रम करना । 2. सेमीनार / कार्यशाला आयोजित करना । 3. सरकारी / अर्द्धसरकारी / निजी विभागों के साथ कार्यशाला ।	श्री हरीहरन रामामूर्ति श्रीमती अंजू बजाज

लघु उद्योग भारती के द्वारा सूक्ष्म तथा लघु उद्योगों के विकास हेतु काफी आयाम तय किये गये हैं जिसमें से कुछ प्रमुख आयाम निम्नानुसार है -

क्र.सं.	आयाम	कार्य विवरण
1	ग्रामशिल्पी	1 ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देना । 2 परम्परागत कार्यों को अगली पीढ़ी में नई तकनीक के साथ बढ़ाने हेतु प्रयास करना (जैसे बढ़ई, लौहार, चर्मकार, शिल्पकार, हस्तशिल्पी इत्यादि कार्य) 3 होली दीपावली राखी एवं अन्य त्यौहारों पर स्थानीय उद्योगों द्वारा उत्पाद बनाकर विक्रय में सहयोग करना ।
2	उत्पाद-समूह	1 20 से अधिक उत्पाद समूह बनाये गये हैं 2 समूह द्वारा आयात के विकल्प प्रस्तुत करना । 3 समूह द्वारा निर्यात को बढ़ावा देने हेतु प्रयास करना ।
3	महिला उद्यमिता सृजन एवं विकास	1 महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम 2 घरेलू उत्पादों को नई तकनीक के साथ बनाने हेतु कार्यशाला आयोजित करना । 3 मेले / प्रदर्शनी के माध्यम से विपणन में सहयोग करना - स्वयंसिद्धा
4	स्वरोजगार	1 स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण देना 2 संसाधन, वित्त उपलब्ध कराने में सहयोग करना । 3 विपणन में सहयोग
5	जनसंचार आयाम (Mass Communication)	1. सरकारी नीतियों, अधिसूचना व अन्य जानकारी का प्रचार व प्रसार 2. नेटवर्किंग 3. व्यापार विकास 4. वेबसाइट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इत्यादि ।

1. ग्रामशिल्पी एवं घरेलू कुटीर उद्योग :- वर्तमान में राज्य स्तर / प्रान्त स्तर पर समितियां गठित कर होली दीपावली व अन्य त्यौहारों पर ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत शिल्पियों से उनके उत्पाद विपणन में सहयोग किया जा रहा है ग्रामशिल्पियों के माध्यम से मेरा देश मेरी माटी योजना के तहत मिट्टी के दीपक, मिट्टी के बर्तन, राखी, मिट्टी की मूर्तिया, कपड़े की झालर, रुई की बत्ती, कॉटन वेस्ट के उत्पाद, सैनेटरी नैपकिन, गुलाल, आसाम में बिहु त्यौहार पर गगना (बम्बू), ढोल, फूलन गमछा, बिहार में मखना, जूते एवं फुटवियर केरल में **Best Form Waste** के सिद्धान्त पर गलीचो का निर्माण, डोरमेट जैसे उत्पादों के उत्पादन व विपणन में सहयोग किया जा रहा है । इस आयो में राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, आसाम बिहार, केरल आदि राज्यों में अच्छा कार्य चल रहा है । शीघ्र ही इस कार्य को सभी राज्यों में विस्तारित किया जाने के प्रयास जारी है ।



2 उत्पाद-समूह :- देश के विभिन्न राज्यों में 20 से अधिक उत्पाद समूह (100 से अधिक उत्पाद) बनाये गये हैं (जैसे छाता उद्योग, सिलाई मशीन कलपुर्जे, स्क्रीनिंग मशीन, इंजिनियरिंग कलपुर्जे, डीजल इंजन पार्ट्स, बेयरिंग / बेयरिंग पार्ट्स, डायमण्ड कटिंग टूल्स आदि) इन समूहों के द्वारा निर्यात बढ़ाने तथा आयात घटाने, गुणवत्ता बढ़ाने, उत्पादन लागत कम करने के निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं । कुछ स्थानों पर रक्षा प्रयोगशाला के माध्यम से सैन्य उत्पादों की प्रदर्शनी व कार्यशालाएं आयोजित कर इन सैन्य उत्पादों को स्थानीय उद्यमियों द्वारा विकसित किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं । प्रत्येक उत्पाद के समूह का राष्ट्रीय स्तर के व्हाट्स-ग्रुप बनाये गये हैं । सदस्य अपनी समस्याएं व उनके निराकरण के सुझाव व प्रत्येक उत्पाद गुणात्मक व संख्यात्मक एवं विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धी कैसे बने, इस पर नियमित संवाद करते रहते हैं ।

3 महिला उद्यमिता विकास :- देश की आधी आबादी महिलाओं की है, महिलाएं सभी क्षेत्रों में आगे आ रही हैं । उद्योग क्षेत्र में महिलाएं भी पुरुषों

के मुकाबले अपने उद्योगों को बहुत ही प्रभावी तरीके से संचालित कर रही है। महिलाओं को उद्योग क्षेत्रों में बढ़ावा देने लघु उद्योग भारती ने अलग से जिला स्तर पर महिला इकाईयों का गठन किया जा रहा है। अब तक देश में 40 इकाईयों के माध्यम से 3141 महिलाओं को संगठन से जोड़ा गया है। महिलाओं को उद्योग क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं इस हेतु विभिन्न सेमिनार / कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षण, बैंकों के माध्यम से वित्त सहयोग, विपणन में सहयोग किया जाता है। इसमें स्वयंसिद्धा नाम से नियमित अन्तराल से मेले आयोजित किये जा रहे हैं। महिला उद्यमिता प्रोत्साहन में राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

4. स्वरोजगार :- युवाओं को स्वयं का उद्योग स्थापित कर रोजगार प्रदाता बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं इस हेतु उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम, मशीन, वित्त सहयोग, विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से उद्योग क्षेत्र में उत्पादन, विपणन, गुणवत्ता, उत्पादन लागत घटाने की जानकारी दी जाती है। स्वरोजगार की जानकारी देने के लिए देश के विभिन्न शहरों में 50 से अधिक केन्द्र संचालित किए जा रहे हैं।

कौशल विकास केंद्र : जयपुर में उद्यमिता व कौशल विकास के प्रोत्साहन लिए 125000 वर्ग फुट में फैले लगभग 500 छात्रों के लिए 6 मंजिला कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र का जयपुर में निर्माण कार्य बड़ी तीव्र गति से चल रहा है। इसमें 170 छात्रों के लिए हॉस्टल की व्यवस्था भी उपलब्ध होगी। इससे हजारों युवाओं को प्रशिक्षण प्राप्त करके लाभान्वित होंगे। इसी प्रकार जोधपुर में भी कौशल विकास केन्द्र निर्माणाधीन हैं। तथा देश के अन्य भागों में भी कौशल विकास केन्द्र निर्माण पर कार्य किया जा रहा है।



महिला स्वावलम्बन- राजस्थान के पाली शहर में सिलाई केन्द्र, लाख की चूड़ी का कार्य, मेंहदी प्रशिक्षण, ब्यूटी पार्लर (मातृ-शक्ति श्रृंगार) एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण के प्रकल्पों द्वारा अब तक 3000 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाकर 2200 महिलाओं को 3000 रुपये की अग्रिम राशि व 1100 रुपये की मासिक किश्त पर सिलाई मशीनें उपलब्ध करवायी गयी जिससे प्रति महिला परिवार मासिक आय 20,000 तक पहुंच गयी है। चूड़ी सज्जा की 600 मशीनें (11000 अग्रिम राशि व 2000 मासिक किश्त) पर उपलब्ध करवाकर 3000 महिलाओं को स्वरोजगार युक्त किया गया। मेंहदी एवं मातृशक्ति श्रृंगार प्रशिक्षण में 400 महिलाओं एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण द्वारा 750 युवकों को स्वरोजगार में प्रवृत्त किया गया।

स्वयंसिद्धा - महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने हेतु नियमित रूप से महिला इकाईयों द्वारा देश के विभिन्न शहरों में स्वयंसिद्धा नाम से औद्योगिक प्रदर्शनी लगायी जाती हैं। इसमें महिला उद्यमी अपने द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी, विपणन का कार्य करती हैं। राजस्थान के जयपुर, जोधपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, उदयपुर, व्यावर, कोटा, राजसमंद, व अलवर तथा मध्यप्रदेश के कटनी, उज्जैन, भोपाल, कर्नाटक के बैलगावी, मैसूर, बैंगलोर, आसाम में गुवाहटी आदि देश के विभिन्न शहरों में नियमित अन्तराल से इस प्रकार की प्रदर्शनी लगायी जाती हैं।

स्वरोजगार स्वरोजगार को बढ़ावा देने हेतु देश के विभिन्न शहरों जैसे डूंगरपुर में सबर्सिबल पम्प फिटर प्रशिक्षण, मध्यप्रदेश में राखी व गुलाल निर्माण प्रशिक्षण व विपणन केन्द्र, केरल में Coir Board Training Programme चल रहे हैं।

गुजरात में सिलाई प्रशिक्षण, ब्यूटी पार्लर, बांस का काम, खिलौने बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

असम में दीपक निर्माण का कार्य व उसके लिये मशीन की व्यवस्था, ऑर्गेनिक खेती, हल्दी, पाईनेपल के उपर मूल्य संवर्धन का कार्य किसान संघ और सहकार भारती के साथ चला रहे हैं। विश्वविद्यालय के साथ मिलकर प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहे हैं। छात्रों को उद्योग भ्रमण करवा रहे हैं।

उत्तरप्रदेश में सिलाई प्रशिक्षण और मशीन उपलब्ध करवा रहे हैं ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण की किट दी जा रही है। मशरूम की खेती का प्रशिक्षण दे रहे हैं।

कर्नाटक में 12 इंजिनियरिंग व डिप्लोमा कॉलेज के साथ मिलकर स्वरोजगार के लिये काम कर रहे हैं। इंडिया मैनुयू. सपोर्ट व एग्री टेक्नोलॉजी फूड टेक्नोलॉजी पर प्रशिक्षण दे रहे हैं और ग्राम शिल्पी योजना बनायी गयी है।

तमिलनाडु में परिवार ऑर्गेनाइजेशन के साथ काम कर रहे हैं। जागरूकता कार्यशाला का कॉलेजों में प्रशिक्षण प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष व तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को दिया जा रहा है Coir Board will Provide Raw material and will buy the finish goods from students-we worked on waste to wealth बिहार में एसी, वाशिंग मशीन, फ्रिज मोबाईल रिपयरिंग व प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उद्यमिता जागृति अभियान 5 कॉलेजों में चला रहे हैं। भागलपुर में राखी निर्माण कार्यशाला, मखाना निर्माण प्रशिक्षण दिया गया।

छत्तीसगढ़ में रुई से बत्ती बनाने का प्रशिक्षण देकर 150 महिलाओं को रोजगार दिया गया।

स्वावलम्बी भारत अभियान के तहत देश के 50 से अधिक जिलों में स्वरोजगार केन्द्र स्थापित किये गये हैं, इन केन्द्रों के माध्यम से सूचीबद्ध करके रोजगार उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। स्वरोजगार के इच्छुक उद्यमियों को बैंक ऋण दिलाने तकनीकी जानकारी देने में सहयोग किया जा रहा है।

उत्तर-पूर्व क्षेत्र में कार्यरत उद्योगों के सामने आ रही कठिनाईयों को दूर करने, नये उद्योग स्थापित करने स्थानीय श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध करवाने हेतु लघु उद्योग भारती निरन्तर प्रयासरत है। उत्तर पूर्व के कई क्षेत्रों में लघु उद्योग भारती की इकाईयों का गठन किया गया है तथा स्थानीय उद्योगों को इससे जोड़ा जा रहा है। पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में सदस्यता अभियान जारी है। अखिल भारतीय पदाधिकारी इन क्षेत्रों में योजनाबद्ध नियमित प्रवास कर रहे हैं। लघु उद्योग भारती का मानना है कि उद्योग मजबूत होने से स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होगा, पलायन रुकेगा व धर्मान्तर रुकेगा तथा पूर्वोत्तर के स्थानीय लोग मुख्य धारा में आ सकेंगे।

पश्चिमी राजस्थान उद्योग एवं हस्तशिल्प उत्सव 2024

राजस्थान की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदर्शनी जिसमें राजस्थान के अलावा देश के 20 से अधिक राज्यों के उद्यमी अपने श्रेष्ठ उत्पादों का प्रदर्शन व विपणन करते हैं। जिसमें 700 से अधिक स्टॉल ने भाग लिया। लघु उद्योग भारती ने पहली बार इस उत्सव में नोडल एजेंसी की भूमिका निभाई। इस वर्ष इस उत्सव की थीम भगवान राम को समर्पित थी तथा इसमें पूर्ण रूप से भारतीय संस्कृति का समावेश रखा गया। 24 जनवरी 2024 से 4 फरवरी 2024 तक के इस 12 दिवसीय उत्सव में 10 लाख से अधिक लोगों ने अवलोकन किया। उत्सव में प्रतिदिन विभिन्न औद्योगिक विषयों से सम्बन्धित गोष्ठियाँ/परिचर्चा, महिलाओं व बच्चों से सम्बन्धित विभिन्न प्रतियोगिताएँ तथा सायंकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम नियमित होते थे। उत्सव में केन्द्रीय पडॉल विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा। इसका उद्घाटन राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल जी शर्मा द्वारा किया गया तथा विभिन्न केन्द्रीय व राज्य सरकार के मंत्रियों ने अलग-अलग दिन अवलोकन किया।



क्षेत्रीय अधिवेशन - लघु उद्योग भारती का स्थापना काल से अब तक निरन्तर विस्तार हो रहा है इकाईयों की संख्या व सदस्यों की संख्या को देखते हुए सभी सदस्यों का एक स्थान पर मिलना संभव नहीं हो रहा है। इस लिए दो वर्ष में एक बार राष्ट्रीय अधिवेशन तथा दूसरे वर्ष में क्षेत्रीय अधिवेशन आयोजित किए जा रहे हैं। क्षेत्रीय अधिवेशन के लिए पूरे देश को 8 क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। इन क्षेत्रों में स्थित इकाईयों व सदस्यों से अपेक्षा की जाती है कि वर्ष में एक बार अपने अपने क्षेत्र में क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित कर अधिकतम सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित करें, अपने अपने क्षेत्र के उद्यमियों की समस्याओं पर चर्चा करें, उनके निराकरण में संगठन की क्या भूमिका हो सकती है पर विचार करें। साथ ही संगठन विस्तार के लक्ष्य व लक्ष्यों की पूर्ति पर विचार विमर्श करें। वर्ष 2023 में राष्ट्रीय अधिवेशन नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ तथा वर्ष 2022 में निम्न क्षेत्रीय अधिवेशन सम्पन्न हुए

1. पूर्व भाग - वासु की नाग (देवघर) झारखण्ड
2. उत्तर भाग प्रथम - आगरा उत्तरप्रदेश
3. दक्षिण भाग - कोयम्बटूर तमिलनाडू
4. पश्चिम भाग प्रथम - मुम्बई महाराष्ट्र
5. पश्चिम भाग द्वितीय - कर्नावटी गुजरात
6. मध्य भाग प्रथम - किशनगढ़ राजस्थान
7. मध्य भाग द्वितीय - कटनी मध्यप्रदेश
8. उत्तर भाग द्वितीय - जम्मू - जम्मू कश्मीर

व्यवस्था परिवर्तन में लघु उद्योग भारती की भूमिका -

देश, समाज व उद्योग जगत में व्यापक व्यवस्थाओं को देश हित में, समाज हित में व उद्योग हित में कैसे परिवर्तित करें, इसको लेकर हमारे मूल संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की समन्वय बैठकों में चर्चा की जा रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह कार्यवाह व हमारे सम्पर्क अधिकारी डॉ. कृष्णगोपाल जी अखिल भारतीय कार्यकारिणी में विषय रखकर सुझाव ले रहे हैं। लघु उद्योग भारती के प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी है कि इस विषय पर कार्य करें, उद्योगपति व श्रमिकों के रिश्ते कैसे हो, उनके परिवार के लिए, उनकी शिक्षा के लिए, उनकी चिकित्सा सुविधा के लिए हम क्या सोच रहे हैं। हमारे उद्योग भी चले लेकिन प्राकृतिक संसाधनों का व पर्यावरण का संतुलन नहीं बिगड़े, हम कितने पैसे कमाते हैं, यह बड़ी बात नहीं है। उन पैसों का सदुपयोग देश हित में, समाज हित में, हमारे श्रमिकों के लिए कितना होता है, यह बात बड़ी है।

लघु उद्योग भारती विभिन्न बैठकों के माध्यम से व विचार पत्रक के माध्यम से व्यवस्था परिवर्तन के विषय को इकाई स्तर तक लेकर जा रही है। सबसे प्राप्त सुझावों के आधार पर विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। श्री गोविन्द जी लेले इस कार्य को देख रहे हैं।

लघु उद्योग भारती द्वारा प्रदर्शनियां

लघु उद्योग भारती द्वारा प्रदर्शनियां अलग-अलग नामों से जैसे IMS, IIF, स्वयंसिद्धा निरन्तर देश के विभिन्न शहरों में लगायी जाती है। जिसके आगामी संस्करण निम्न अनुसार है -

प्रदर्शनी का नाम	संस्करण	स्थान	दिनांक	विशेष आकर्षण
IMS	7 वाँ	बेगलूरु	6-8 नवम्बर 2024	एरोस्पेस एवं डिफेंस इंजिनियरिंग
IIF	9 वाँ	गुवाहटी (असम)	नवम्बर 2024	विविध औद्योगिक उत्पाद एवं हस्तशिल्प आधारित उद्योग
स्वयंसिद्धा	प्रतिमाह	देश के विभिन्न शहरों में निरन्तर होती रहती हैं।		महिला उद्यमियों द्वारा उत्पादित उत्पाद

लघु उद्योग भारती निम्नलिखित समितियों में प्रतिनिधित्व है -

- एम एस एम ई पर गठित संसदीय स्थाई समिति
- एम एस एम ई बोर्ड
- अन्तराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ)
- राष्ट्रीय मानक ब्यूरो (बी आई एस)
- प्रधानमंत्री एवं वित्तमंत्री द्वारा गठित बजट पूर्व मंत्रणा समिति
- वाणिज्य मंत्रालय - बोर्ड ऑफ ट्रेड (BOT)
- रिजर्व बैंक द्वारा गठित ऋण प्रवाह (क्रेडिट फ्लो) पर समीक्षा समिति
- उद्योग मंत्रालय का संचलन (गवर्निंग) एवं तकनीकी अनुमोदन बोर्ड
- एम एस एम ई को पुरस्कार देने वाली राष्ट्रीय चयन समिति
- केन्द्रीय एवं राज्य श्रमिक शिक्षा बोर्ड
- श्रम कानूनों के लिए गठित कार्यदल (टार्स्क फोर्स)
- श्रम व रोजगार मंत्रालय द्वारा गठित समितियां
- ईएसआईसी - केन्द्र व राज्य स्तरीय सलाहकार समितियां
- प्रोविडेंट फण्ड - केन्द्र व राज्य स्तरीय सलाहकार समितियां
- राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड
- उच्चाधिकार प्राप्त निगरानी समिति एससी-एसटी हब
- राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद्

इसके अलावा विभिन्न राज्यों में उद्योगों से संबंधित समितियों में लघु उद्योग भारती के सदस्यों को प्रतिनिधित्व के तौर पर मनोनीत किया गया है।

लघु उद्योग भारती द्वारा प्राप्त बड़ी सफलताएँ

- केन्द्र व अनेक राज्यों में सूक्ष्म व लघु उद्योगों के समस्याओं के निराकरण एवं विकास के लिये सरकार द्वारा अलग से स्वतंत्र मंत्रालय की स्थापना ।
- श्रम कानूनों में सुधार ।
- कई उत्पादों पर जीएसटी दरों में सुधार एवं कई उत्पादों का जीएसटी में उचित वर्गीकरण ।
- औद्योगिक दुर्घटनाओं को धारा 304 ए में परिभाषित करवाना ।
- स्थानीय उद्योगों को संरक्षण देने हेतु आयातित कच्चे माल पर एन्टी डम्पिंग ड्यूटी लगाना ।
- निर्यातरत इकाईयों को उद्गम प्रमाणपत्र जारी करने के लिये अधिकृत ।
- वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार द्वारा लघु उद्योग भारती को विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के पैनल में कैटेगरी-1 में स्थान दिया गया है ।
- जलशक्ति मंत्रालय भारत सरकार के केन्द्रीय भू-जल प्राधिकरण द्वारा लघु उद्योग भारती को उद्योगों की वॉटर ऑडिट हेतु अधिकृत एजेन्सी नियुक्त किया गया है ।
- रक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रथम बार निजी क्षेत्र के सहयोग से रक्षा-प्रदर्शनी चैन्नई में आयोजित की गयी जिसमें लघु उद्योग भारती की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।
- लघु उद्योग भारती के द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेल का दिल्ली कार्यालय पर सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है । लघु उद्योग भारती आधुनिक तकनीक के साथ उद्योगों के संबंधित जानकारी का समावेश करते हुए वेबसाइट का संचालन किया जा रहा है ।
- वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् से सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के लाभार्थ तकनीक का हस्तारण ।
- प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के तहत विस्तारित निर्माता जिम्मेदारी के लिए सरकार के साथ नीति बनाने में सहयोग दिया, इससे सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को कुछ नियमों के अनुपालन में छूट दी गई ।
- जूता उद्योग के पक्ष को वाणिज्य मंत्रालय तथा भारतीय मानक ब्यूरो के समक्ष रख कर नीति को तर्क संगत बनाने हेतु प्रयासों से कुछ उचित संशोधन हुए ।
- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा अन्य राज्य MSME फेसिलिटेशन परिषद में सक्रिय भागीदारी से छोटे उद्योगों के पक्ष में निर्णय लेने में सहयोग ।
- पर्यावरण संरक्षण हेतु औद्योगिक क्षेत्रों में प्राकृतिक उद्यानों की स्थापना की गयी ।

स्तंभ व्यवस्था : लघु उद्योग भारती में नीति परिनियोजन और उद्देश्यों की प्राप्ति निम्नलिखित 9 स्तंभ के माध्यम से किया जाएगा ।

- | | |
|--|---|
| 1. सदस्यता अभियान एवं मासिक बैठके | 2. जनसंचार, प्रचार, प्रसार आयाम |
| 3. प्रशासन राजस्व एवं सदस्य शिकायत निवारण हेतु | 4. आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी हेतु |
| 5. सरकारी बातचीत (राज्य एवं केंद्र) | 6. प्रशिक्षण एवं व्यवसाय विकास |
| 7. उद्यमिता विकास | 8. डिजिटल एमएसआई |
| | 9. भविष्य में स्थिरता के लिए काम करना |

इस व्यवस्था को संगठन के हर स्तर पर क्रियान्वित किया जा रहा है ।

डेटा इंटरैक्शन प्रोजेक्ट: लघु उद्योग भारती द्वारा शुरू किया गया प्रोजेक्ट है । जिसके सहायता से वर्तमान मेम्बर डाटा को ठीक किया जा रहा है । इसके माध्यम से आने वाले समय में वर्तमान कार्यप्रणाली को और व्यवस्थित किया जाएगा । इसके माध्यम से कार्यकारिणी, प्रवास, मासिक, बैठक, आयाम और उत्पाद समूह की कार्यशैली को भी उन्नत किया जा रहा है ।

ज्ञान बैंक की पहल : लघु उद्योग भारती द्वारा knowledge Bank Initiative एक परिवर्तनकारी प्रयास है । LUB सदस्यों को उद्यमियों के साथ-उद्योग विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और शोधकर्ता, विषय वस्तु विशेषज्ञ को जोड़ कर नये उद्यमी व उद्योगों से सम्बन्धित सभी जानकारी लेने के लिए यह व्यवस्था की गयी है ।

संगठन लक्ष्य 2023-25 : अगामी दो वर्षों के लिए लघु उद्योग भारती निम्नलिखित कार्यों पर वरीयता से कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है ।

लघु उद्योग भारती समुदायिक आर्थिक सेवाएं

